हिन्दी मिलाप
हैदराबाद

Date: 13th September, 2018 Page no: 14

हिन्दी का सम्मान करना हम सभी का कर्तव्य

हिन्दी दिवस के अवसर पर मेरी शुभकामनाएँ आज इस दुनिया में सर्वाधिक बोली जाने वाली भाषाओं में से एक है हिन्दी। इसे सम्मान देने के लिए प्रतिवर्ष हिन्दी सप्ताह मनाया जाता है। 14 सितंबर, 1949 को संविधान सभा ने एक मत से यह निर्णय लिया कि हिन्दी हमारी राजभाषा होगी। बिना हिन्दी के हम विकास की कल्पना ही नहीं कर सकते। भारत की भाषा हिन्दी का सम्मान करना हमारा कर्त्तव्य है। जिस प्रकार हम तिरंगे को सम्मान देते हैं, उसी प्रकार हमारी भाषा भी सम्माननीय है। अत: हमारा कर्त्तव्य है कि हिन्दी को केवल हिन्दी दिवस तक ही सीमित न रखें, क्योंकि हमारी एकता और विकास के लिए हिन्दी जरूरी है। इस दिवस को मनाने के लिए प्रत्येक सरकारी संस्थान में

विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जाते है, परंतु इसे जीवंत बनाए रखने के लिए आवश्यक है कि इसका प्रयोग हम दैनिक जीवन में भी करें। भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र (इंकॉइस) में अनेक प्रकार की सेवाएँ हैं, जो कि जनमानस की भलाई और सुरक्षा की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। संस्थान का हमेशा से एक ही लक्ष्य रहा है कि वैज्ञानिक शोध से जुड़ी सभी जानकारी सरल और सहज भाषा में जन-जन तक पहुँचायी जाए। इसके लिए हिन्दी से सरल और सहज कोई अन्य भाषा नहीं हो सकती। प्राय: हम सुनते हैं कि हिन्दी आधुनिक ज्ञान-विज्ञान को अभिव्यक्त करने में सक्षम नहीं है। यह धारणा बिल्कुल असत्य एवं निराधार है। हिन्दी पूर्णतया वैज्ञानिक भाषा है तथा सभी प्रकार की प्रगतिपरक संस्कृति और ज्ञान-विज्ञान की अभिव्यक्ति एवं संप्रेषण के लिए सर्वथा सक्षम है।

हिन्दी का करें सम्मान
है यह प्रेम सौहार्द का दूजा नाम

प्रस्तुति : डॉ. एस.एस.जी. शेनॉय, निदेशक
इंकॉइस, हैदराबाद